Title: Demand to discuss separately the problems of farmers of Bihar.

MR. SPEAKER: Hon. Members, please take your seats.

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Shri Pappu Yadav, what is your submission?

श्री राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव (पूर्णिया) : अध्यक्ष महोदय, आज सवेरे जीरो आवर में बिहार के किसानों के सवाल को लेकर बोलने का मौका दिया गया था। केन्द्र के मंत्री ने बिहार में जाकर और दिल्ली में भी नेफेड और एफ.सी.आई. की बैठक करने, पंजाब और हरियाणा के गरीब किसानों को अनाज का उचित मूल्य देने के लिए क्रय केन्द्र खोलने तथा वहां किसानों के अनाज का मूल्य निर्धारित करने की बात कही, किन्तु बिहार में बार-बार मंत्री के बयानों के बावजूद भी अभी तक क्रय केन्द्र नहीं खोले गए हैं और वहां के किसानों के अनाज का समर्थन मूल्य फिक्स नहीं किया गया है। हम चाहते हैं कि इस संबंध में एक विशे चर्चा हो जिसमें मंत्री भी रहें और पूरा सदन इसे चाहता है। मेरा आग्रह है कि कल कुछ समय निर्धारित कर इस पर विशे चर्चा कराई जाए और मंत्री जी से इसका जवाब दिलवाया जाए।

अध्यक्ष महोदय : कल प्रश्न काल के तुरंत बाद हम किसानों के बारे में चर्चा करेंगे।

डॉ. रघुवंश प्रसाद सिंह (वैशाली) : अध्यक्ष महोदय, देश भर में इस समय किसानों की दुर्दशा है। आपने कृपा की और कामरोको प्रस्ताव पर घंटों बहस हुई लेकिन सरकार का जवाब राजनैतिक बयान वाला था, किसानों की समस्या को सुलझाने वाला नहीं था। इसलिए जब हम लोग अपने क्षेत्र में गए और वहां देखा कि किसान त्राहि-त्राहि कर रहा है, धान और मकई को मिनिमम सपोर्ट प्राइस के आधे दाम पर भी कोई खरीदने को तैयार नहीं है और किसान की फसल खरीदी नहीं जाएगी तो उनकी अगली फसल भी मारी जाएगी। इसलिए किसानों की समस्या का समाधान नहीं हो रहा है और सदन की सार्थकता सिद्ध नहीं हो रही है। जब पंजाब में किसानों के साथ विशे व्यवहार हुआ, फिर अन्य राज्यों में भेदभाव क्यों हो रहा है? इसलिए एक-समान नीति किसानों के साथ हो और सभी जगह तत्काल क्रय केन्द्र खोले जाएं. किसानों को उनके अनाज का मिनिमम सपोर्ट प्राइस मिले।

अध्यक्ष महोदय, सभी किसानों की समस्याओं के समाधान के लिए सदन की एक कमेटी बनाई जाए जो हर विभाग से संबंधित किसानों की दुर्दशा को देखे और उनकी समस्याओं का समाधान करे। मेरी यही प्रार्थना है।â€¦(व्यवधान)

श्री रामजीलाल सुमन (फिरोजाबाद) : अध्यक्ष महोदय, यह अत्यधिक गंभीर मामला है कि "काम रोको प्रस्ताव" के जरिए किसानों के सवाल पर यहां व्यापक चर्चा हुई, लेकिन उनकी किसी समस्या का कोई समाधान नहीं हुआ। इससे ऐसा प्रतीत होता है कि लोक सभा में भी हम एक औपचारिकता पूरी करते हैं और यह सदन जो आम लोगों की वकालत करने और उन्हें राहत दिलाने के लिए है लेकिन यहां बहस व चर्चा के माध्यम से जो राहत मिलनी चाहिए, वह काम नहीं होता।

अध्यक्ष महोदय, धान का समर्थन मूल्य 510 रुपए प्रति क्विंटल है।â€¦(व्यवधान)

MR. SPEAKER: Shri Ramjilal Suman, please understand. We are not discussing this subject today. We will take it up tomorrow.

...(*Interruptions*)

श्री रामजीलाल सुमन : अध्यक्ष महोदय, मैं समाप्त कर रहा हूं।â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आप हाउस को भी डिस्टर्ब कर रहे हैं। कृपया बैठ जाएं।

श्री रामजीलाल सुमन : अध्यक्ष महोदय, मामला बहुत गंभीर है। मेरा सिर्फ यही निवेदन है कि इस मामले पर कल प्रश्नकाल के तुरन्त बाद व्यापक चर्चा कराएं।â€¦(व्यवधान)

श्री मदन लाल खुराना (दिल्ली सदर) : अध्यक्ष महोदय, माननीय उपाध्यक्ष महोदय ने मुझसे कहा था कि आपको बाद में टाइम दिया जाएगा। â€¦(व्यवधान)

SHRI SUDIP BANDYOPADHYAY : Sir, the Scheduled Castes, Scheduled Tribes and minorities of West Bengal are being tortured and killed at random. The democratic set up in West Bengal is under threat. ...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: You may please raise this tomorrow.

SHRI SUDIP BANDYOPADHYAY : Will you allow me tomorrow?

MR. SPEAKER: Yes.

SHRI SUDIP BANDYOPADHYAY : Thank you.